तापमान
अधिकतम 44.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि कोरबा भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार 19 जुलाई 2024

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

4 जंगली सुअर व चीतल का शिकार, आरोपी फरार

खबर संक्षेप

विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों के खुलेंगे बैंक खाते

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत ने जनपद पंचायत कोरबा अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर वर्ग के लोगों का ग्रामवार कैम्प आयोजित कर बैंक खाता खोलने के निर्देश लीड बैंक अधिकारी कोरबा को दिए हैं। कलेक्टर ने सचिव व रोजगार सहायक को 25 जुलाई से सभी ग्रामों में कैम्प लगाने हेतु निर्देशित किया है। साथ ही क्षेत्रांतर्गत निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर जनजाति के लोगों को कैम्प में 2 रंगीन फोटो, आधार कार्ड एवं संपर्क नम्बर (दूरभाष क्रमांक) के साथ उपस्थित होने हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

एक लोनर रिहायशी क्षेत्र में घुसने की कर रहा था कोशिश

32 हाथियों ने सड़क की रोकी रफ्तार तो लोनर ने वन अमले का बढ़ाया टेंशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

झुंड से अलग हुआ लोनर हाथी बुधवार की रात शहरी सीमा पर पहुंच गया था। खबर मिलते ही वन विभाग की टीम अलर्ट हुई और हाथी को जंगल में खदेड़ा। इधर 32 हाथियों का झुण्ड कुदमुरा तौलीपाली सड़क पर आ गया था लेकिन अभी खतरा टला नहीं है। वन विभाग की टीम पूरी तरह से सतर्क है प्रशासन व पुलिस को इसकी सूचना भी दी गई है।

खास बात

- भैसमा व उसके आसपास वन अमले ने जारी किया अलर्ट, 4 टीम की गई है गठित

कोरबा वनमंडल के कुदमुरा रेंज में 32 हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है। जो एक इलाके से दूसरे इलाके में लगातार घूम रहा है और फसलों को भी चट कर रहा है इस झुण्ड से अलग हुआ एक लोनार हाथी बुधवार की रात करतला रेंज से होते हुए कोरबा रेंज के शहरी क्षेत्र के रिहायशी सीमा पर आ गया था। जैसे ही देर रात को कोरबा वनमंडलाधिकारी अरविंद पीएम को इसकी सूचना मिली तो उन्होंने लोनार हाथी को रोकने एसडीओ आशीष खेलवार व एसडीओ सूर्यकांत सोनी को निर्देशित किया। जिसके बाद अलग-अलग टीम गठित की गई और पूरी रात वन अमले की टीम तेज बारिश में लोनर हाथी की ट्रैकिंग करती रही। जिसके चलते हाथी रिहायशी क्षेत्र में घुस पाने में सफल नहीं हो पाया। बताया जाता है कि गुरुवार की देर शाम वन विभाग के अधिकारियों ने हाथी की लोकेशन ली तो भैसमा के आसपास ही पाया गया है। वन विभाग की टीम पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है इसकी सूचना प्रशासन और पुलिस को दे दी गई है। हाथी को जंगल की ओर खदेड़ने के लिए चार अलग-अलग टीम क्षेत्र में लगाई गई है। साथ ही जिस क्षेत्र में हाथी जाने की संभावना है उस क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांव में अलर्ट मोड जारी किया गया है ताकि कोई जनधन की हानि ना हो।

सड़क पार करता हाथियों का झुण्ड।

पुटु संग्रहण बना परेशानी का सबब

एसडीओ आशीष खेलवार ने जानकारी देते हुए बताया कि कोरबा वनमंडल में विचरण कर रहे हाथियों के झुंड में से एक लोनर हाथी झुंड से अलग हो चुका है जो लगातार क्षेत्र में उत्पात मचा रहा है। इन दिनों वनांचल क्षेत्र में खेती किसानी का काम जोरों पर है। किसान सुबह खेत जा रहे हैं और देर शाम को घर वापस लौट रहे हैं। ऐसे में हाथी हमले की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए वन विभाग की टीम लोगों से अपील कर रही है कि समय रहते शाम को सभी लोग अपने-अपने घर आ जाएं। वहीं दूसरी ओर इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में पुटु संग्रहण का दौर भी चल रहा है। लोग सुबह-सुबह जंगलों में जाकर पुटु संग्रहण कर रहे हैं ऐसे में भी हाथी का खतरा लगातार बढ़ रहा है। एसडीओ आशीष खेलवार ने आम जनता से अपील की है कि हाथी प्रभावित क्षेत्रों में पुटु संग्रहण ना करें ताकि जनधन की किसी तरह की हानि ना हो।

9 बेबी एलिफेंट है झुंड में

एसडीओ आशीष खेलवार ने बताया कि धरमजयगढ़ से पहुंचा 32 हाथियों को झुण्ड पिछले कई दिनों से कुदमुरा रेंज में मौजूद है और इस झुंड में 8 नर, 15 मादा हाथी और 9 शावक हैं। गुरुवार की सुबह हाथियों का यह झुण्ड ग्राम तौलीपाली के पास मुख्य सडक़ पर आ गया था।

पूर्व गृह मंत्री ननकी राम ने दायर की जनहित याचिका

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जेलों में बंदियों को समुचित पारिश्रमिक दिये जाने की मांग को लेकर पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने राज्य शासन को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। जवाब के लिए दो सप्ताह का समय तय किया गया है।

पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर ने अधिवक्ता संजय कुमार अग्रवाल के माध्यम से हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। दायर याचिका में कहा है कि प्रदेश की जेलों में बंद कैदियों को उनके काम के अनुसार पारिश्रमिक दिये जाने का नियम है। इसके अनुसार इन्हें प्रतिदिन के हिसाब से 60 से 75 रुपये तक पारिश्रमिक दिया जाता है, वर्तमान परिस्थितियों में यह कम है। वर्षों से बंदियों को यही पारिश्रमिक दिया जा रहा है, जो आज के समय में पर्याप्त नहीं कहा जा सकता है। कलेक्टर दर की तरह ही बंदियों को मेहनताना दिया जाना चाहिए, जो बाद में इनके जीवन में काम आ सके। मामले में लम्बे समय से सुनवाई चल रही है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच में सुनवाई के दौरान शासन का जवाब पेश नहीं हो पाया था। कोर्ट ने राज्य शासन को विधिवत जवाब देने दो सप्ताह का समय दिया गया है।

खास बात

- बंदियों को कलेक्टर दर पर पारिश्रमिक देने का मामला

देवेन्द्र को उप संचालक कृषि का सौंपा गया प्रभार

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत ने प्रशासनिक व्यवस्था के दृष्टिकोण से अजय अनंत, उप संचालक कृषि कोरबा के अवकाश अवधि तक आगामी आदेश पर्यन्त देवेन्द्र कुमार, सहायक संचालक कृषि कोरबा को अपने कार्यों के साथ-साथ उनका सम्पूर्ण प्रभार सौंपा है।

रोचक

शिखर चंद जैन

बच्चों, तुमने टीवी में या रियल पपेट शो देखा होगा। पपेट यानी कठपुतलियों के जरिए मनोरंजन की यह कला देश-विदेश में सदियों से प्रचलित है। कहीं लकड़ी से, कहीं फैब्रिक से, कहीं पानी पर उछलते-कूदते तो कहीं शैडो पपेट्स के खेल देखने में बहुत मजा आता है। यहां हम तुम्हें दुनिया के कई देशों में पॉपुलर पपेट्स के बारे में बता रहे हैं।

रंग-बिरंगी प्यारी-प्यारी खेल दिखाती कठपुतलियां

बच्चों, आज के समय में तुम्हारे पास एंटरटेनमेंट और टाइम-पास के लिए कई साधन उपलब्ध हैं, जैसे-वीडियो गेम्स, मूवीज, टीवी शोज, म्यूजिक आदि। लेकिन बहुत पुराने दौर से आज तक भारत समेत दुनिया के कई देशों में मनोरंजन के लिए पपेट्स यानी कठपुतलियों का खेल भी दिखाया जाता रहा है। इन पपेट्स के हाव-भाव देखने का मजा ही कुछ अलग होता है। कठपुतलियां कई तरह की होती हैं। इन्हें काठ यानी लकड़ी के अलावा अलग-अलग देशों में कपड़े, मिट्टी, चमड़े जैसे कई तरह के मैटीरियल से बनाया जाता है।

जापान की बनराकू पपेट

जापान की बनराकू पपेट

जापान को दुनिया के सबसे एडवांस्ड और विकसित देशों में गिना जाता है। हालांकि यहां इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों और मॉडर्न तकनीक से हजारों तरह के गेम्स खूब बनते और बिकते हैं। लेकिन इनके साथ ही यहां के पपेट्स 'बनराकू' को लोग बहुत पसंद करते हैं। इन पपेट्स को काठ (वुड) से बनाया जाता है। ये पपेट्स, छोटे और बड़े कई आकारों में बनाए जाते हैं। जापानी फोक म्यूजिक के साथ जब बनराकू पपेट्स को परफॉर्म कराया जाता है तो देखने वाले 'वाह-वाह!' कर उठते हैं।

वियतनाम की वाटर-पपेट

वियतनाम में पपेट्स का खेल एक हजार साल से भी अधिक पुराना माना जाता है। यहां पपेट्स आर्ट को 'मुआ रोई नॉक' कहते हैं, जिसका मतलब है-पानी पर डांस करने वाली पपेट्स। इन पपेट्स को नचाने वाले आर्टिस्ट्स कमर तक पानी भरे तालाब में खड़े होकर इनका तमाशा दिखाते हैं। यहां इन पपेट्स के शानदार शो आयोजित किए जाते हैं। इन्हें स्थानीय लोग और पर्यटक बड़े चाव से देखते हैं।

वियतनाम में खूब पॉपुलर हैं वाटर-पपेट्स

कैसे परफॉर्म करते हैं पपेट्स

बच्चों, पपेट (कठपुतली) अलग-अलग मैटीरियल से बनी एक तरह की डॉल जैसी होती है, जिनमें कुछ स्ट्रिंग्स यानी डोरी बंधी होती है। पपेट-आर्टिस्ट इन स्ट्रिंग्स की मदद से पपेट को ऊपर-नीचे और अलग-अलग डायरेक्शन में कुछ इस तरह मूव कराते हैं कि ऐसा लगता है, मानो पपेट खुद चल-फिर रहे हों या डांस कर रहे हों।

चीन की शैडो-पपेट

चीन देश में पपेट्स की परंपरा सदियों पुरानी है। यहां कई स्थानों पर बच्चों को हिस्ट्री और कल्चर पढ़ाने के लिए भी पपेट शोज का आयोजन किया जाता है। खासतौर पर यहां के गांवों में अब भी मनोरंजन का एक प्रमुख साधन, पपेट शो हैं। चीन में डोरी से खींचे जाने वाले पपेट शो के अलावा शैडो-पपेट्स का तमाशा भी काफी पसंद किया जाता है। वास्तव में शैडो-पपेट्स ऐसी आकृतियां होती हैं, जिन पर खास एंगल से रोशनी डालने पर पीछे लगे पर्दे पर उनकी तस्वीर उभर आती है। ये पपेट्स काफी रंग-बिरंगे होते हैं। शो के दौरान इन्हें हैंडल करने वाले कलाकार, डायलॉग्स के बीच-बीच में बांस से बनी सीटी भी बजाते रहते हैं, जिससे दर्शकों में उत्साह और बढ़ जाता है।

अमेरिका के फैब्रिक पपेट्स

इंग्लैंड के कार्निवल पपेट्स

अमेरिका के फैब्रिक पपेट

अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों में सॉफ्ट-स्पंजी फैब्रिक्स से बने पपेट्स खूब पसंद किए जाते हैं। ये पपेट्स कार्टून कैरेक्टर्स जैसे लगते हैं। यहां पपेट्स के कई सुपरहिट टीवी शोज भी टेलिकास्ट किए जा चुके हैं। यहां बच्चों के लिए प्रेरक, शिक्षाप्रद और मनोरंजक कार्यक्रम बनाने के लिए पपेट्स का खूब प्रयोग किया जाता है। अमेरिकी टीवी शो 'सीसेम स्ट्रीट' का नाम तो तुमने जरूर सुना होगा, यह टीवी पर प्रसारित होने वाला एक पपेट-शो था, जिसे हमारे देश में 'गली-गली सिम-सिम' के नाम से दिखाया जाता रहा है।

भारत में तरह-तरह की कठपुतलियां

हमारे देश में भी कठपुतली-कला हजारों साल पुरानी है। हड़प्पा और मोहनजो-दारो की खुदाई में भी कठपुतलियों के अवशेष मिले हैं। भारत में पौराणिक या लोक कथाओं पर आधारित कठपुतलियों का प्रचलन अधिक है। भारत के विभिन्न प्रांतों में अलग-अलग रंग-रूप और आकार की कठपुतलियां प्रचलित हैं। जैसे राजस्थान, ओड़ीशा, कर्नाटक और तमिलनाडु में धागा पुतली के खेल खूब दिखाए जाते हैं। राजस्थान में इन्हें कठपुतली,ओड़ीशा में कुनढेई, कर्नाटक में गोंबयेट्टा, तमिलनाडु में बोम्मालट्टा कहते हैं। कई क्षेत्रों में छाया कठपुतलियों का भी प्रचलन है। छड़ पुतलियों के खेल बंगाल में पुतुलनाच और बिहार में यमपुरी के नाम से जाना जाता है। कुछ स्थानों पर दस्ताना पुतली भी खूब मनोरंजन करती हैं, इन्हें हथेली में दस्तानों की तरह पहनकर नचाया जाता है।

इंग्लैंड के कार्निवल पपेट्स

इंग्लैंड में इतने विशाल पपेट्स बनाए जाते हैं कि इन्हें उठाने और चलाने के लिए क्रेन का इस्तेमाल करना पड़ता है। यहां लिवरपूल में आयोजित होने वाला पपेट-शो 'लिवरपूल जायंट्स परेड' दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इस परेड में करीब तीन मंजिला इमारत जितनी ऊंचाई वाले पपेट्स शामिल किए जाते हैं। इन पपेट्स को 'कार्निवल पपेट्स' के नाम से जाना जाता है।

इंडोनेशिया के पपेट शोज में रामकथा

रामायण और रामकथा हमारे देश के साथ-साथ दुनिया के कई देशों में प्रचलित है। इंडोनेशिया में अलग-अलग स्थानों पर रामकथा का प्रदर्शन पपेट्स के माध्यम से किया जाता है। यहां भी चीन की तरह शैडो पपेट्स अधिक प्रचलित हैं। *

जीके क्विज-113

1. इंडियन क्रिकेट टीम का नया हेड कोच किस पूर्व क्रिकेटर को बनाया गया है?
2. पिछले ओलंपिक (टोक्यो-2021) खेलों में भारत ने कुल कितने पदक जीते थे?
3. वह कौन-सा जीवाणु (बैक्टीरिया) है, जो दूध से दही जमाने में मदद करता है?
4. हाल में ही ईरान के नए राष्ट्रपति कौन बने हैं?
5. भारत के वर्तमान गृह मंत्री का क्या नाम है?
6. स्वतंत्र भारत के प्रथम रेल मंत्री कौन थे?
7. टेलीस्कोप (दूरबीन) की खोज किसने की थी?
8. पंकज आडवाणी का संबंध किस खेल से है?
9. एक फुटबॉल टीम में कितने खिलाड़ी होते हैं?
10. विक्टोरिया मेमोरियल भारत के किस शहर में स्थित है?

बच्चों, जीके क्विज-113 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-112 का उत्तर : 1. अनामिका बी. राजीव, 2. मुंशी प्रेमचंद, 3. मुंबई, 4. गिरिब्रज, 5. मधुमेह (डायबिटीज), 6. अमेजन वर्षा वन, 7. मध्य प्रदेश, 8. कर्नाटक, 9. महाराणा प्रताप और अकबर, 10. ईटानगर

जीके क्विज-112 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, नारायण-मनकी लोरमी, विशु-मनकी लोरमी, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, मानवी मधुकर-बिलासपुर, शुभम-बिलासपुर, पृथ्वी-बिलासपुर, रितेश-मटियारी

हंसगुल्ले

टीचर (तेज आवाज में) : तो.. हमें अपने सपने पूरे करने के लिए क्या करना चाहिए?
राजू (जम्हाई लेते हुए) : फिर से सो जाना चाहिए।
-तनुजा, जबलपुर

नव्या : बताओ, दूध उफनकर बाहर क्यों गिर जाता है?
नैंसी : दूध उबालते समय व्हाट्स एप्प पर चैट करने की वजह से।
-खुशबू, रायपुर

मम्मी : एग्जाम कैसा हुआ बेटा?
मोनू : मम्मी, एग्जाम में ऐसे सवाल आए थे, जो मैंने कभी पढ़े ही नहीं थे।
मम्मी : तो फिर तुमने क्या किया?
मोनू : मैं भी ऐसे जवाब लिखकर आया हूं, जो टीचर जी ने कभी पढ़े नहीं होंगे।
-हर्षिता, बिलासपुर

चुन्नू : गाय पूंछ क्यों हिलाती है?
मुन्नू : क्योंकि पूंछ में इतनी ताकत नहीं होती कि वो गाय को हिला सके।
-आदित्य, बलौदा बाजार

ट्रंक में बंद रंग-बिरंगी रेनकोट को काली-कलूटी छतरी से चिढ़ थी। वह उसे नीचा दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ती थी। बरसात से पहले जब छतरी और रेनकोट को ट्रंक से बाहर निकाला गया तो ऐसा क्या हुआ कि रेनकोट को अपनी खूबसूरती पर शर्मिंदगी महसूस होने लगी?

छतरी और रेनकोट

कहानी

अशोक जोशी

उस रोज संडे था। मोनू अपने पापा और मम्मी के साथ घर में ही था। शाम को वे सभी कहीं बाहर घूमने जाने की प्लानिंग कर रहे थे कि तभी अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। पापा ने मम्मी से कहा, 'देखो, अचानक कितनी तेज बारिश शुरू हो गई। मौसम विभाग ने भी भविष्यवाणी की है कि पूरे सप्ताह तेज बारिश की संभावना है। वो जो ट्रंक में मेरी छतरी और मोनू की रेनकोट रखी है, उसे निकाल लो।'

'ठीक है, निकाल लेते हैं।' मम्मी बोलीं।

मोनू के पापा-मम्मी की बातें जब ट्रंक में रखी छतरी और रेनकोट को सुनाई दीं तो वे यह सोचकर बहुत खुश हुए कि कई महीनों तक ट्रंक में पड़े रहने के बाद अब उन्हें ताजा हवा खाने को मिलेगी और बारिश की ठंडी-ठंडी बूंदों का स्पर्श मिलेगा। छतरी ने रेनकोट से कहा, 'देखो बहन, अब हमारे काम आने का समय आ गया है, तैयार हो जाओ।' रेनकोट की सोच कुछ अलग ही थी। उसे अपने रंग-रूप पर बड़ा अभिमान था। छतरी से उसकी बिल्कुल भी नहीं जमती थी। वह हमेशा छतरी को नीचा दिखाने का बहाना ढूंढ़ती रहती थी, उसे ओल्ड-फैशंड बताती और हमेशा उसके रंग-रूप का मजाक उड़ाती थी। वह कहती थी, 'हुंह.. कहां मैं और कहां तुम! तुम तो बिल्कुल ओल्ड-फैशंड हो। तुम अपना रंग-रूप देखो और जरा मेरी तरफ देखो, मैं कितनी मॉडर्न और रंग-बिरंगी हूं। मुझे देखकर बच्चे चहक उठते हैं। वैसे भी आज के मॉडर्न जमाने में छतरी कौन यूज करता है? देखो, मोनू के पापा ने मुझे किस तरह सहेज कर कवर के अंदर रखा है, तुम्हें ट्रंक के एक कोने में पटक दिया है। याद करो, मोनू के पापा ने जब तुझे खरीदा था, तब वो मोनू को भी छतरी ही दिलवा रहे थे। लेकिन मोनू ने अपने पापा से जिद करके अपने लिए रेनकोट खरीदवाया था।'

'बहन, ऐसा क्यों कहती हो? मैं भी तो वही काम करती हूं, जो तुम करती हो। हम दोनों ही लोगों को बारिश में भीगने से बचाते हैं। बस रंग-रूप और आकार-प्रकार में अंतर है।' छतरी विनम्रता से बोली।

तभी उन्हें कदमों की आहट अपनी तरफ आती सुनाई दी। चरमराहट की आवाज के साथ ट्रंक खुल गया। मम्मी ने पहले कोने में रखी छतरी को उठाया। उसे उलट-पुलट कर देखा। उस पर थोड़ी धूल जमी थी। उन्होंने दो-तीन बार उसे खोला और बंद किया। उसकी ताड़ियां भी अच्छी तरह से काम कर रही थीं। 'शुक्र है, यह अभी अच्छी है। कम से कम एक-दो सीजन तो निकाल ही देगी।' मम्मी बुदबुदाते हुए बोलीं, फिर उन्होंने छतरी को साफ कर दीवार में लगी कील पर टांग दिया।

मम्मी की बातें सुनकर छतरी को अपनी उपयोगिता पर संतोष हुआ। इसके बाद मम्मी ने जैसे ही रेनकोट की तरफ हाथ बढ़ाया, रेनकोट की बांछें खिल उठीं। उसने सोचा कि मम्मी अब उसकी खूब तारीफें करेंगी, उसे प्यार से सहेज कर अलमारी में रखेंगी ताकि बारिश में जरूरत पड़ने पर उसे निकाल सकें। मम्मी ने कवर से निकालकर जैसे ही रेनकोट को खोला तो उनका मूड-ऑफ हो गया। जिस-जिस जगह से रेनकोट को मोड़कर रखा गया था, वहां सिलवटें पड़ गई थीं और जब उन्होंने उसे झटकारा तो सिलवटों वाली जगह से रेनकोट फट गई।

'पिछले साल ही तो खरीदी थी। सोचा था दो-चार सीजन निकाल देगी। लेकिन यह तो बस दिखने में ही अच्छी थी। कोई खास काम ना आ सकी। इससे अच्छी तो छतरी है, जो सालों तक बरसात के अलावा गर्मी में भी काम आती है...।' बुदबुदाते हुए मम्मी ने रेनकोट को डस्टबिन में डाल दिया। अगले दिन उसे नगर निगम की कचरा इकट्ठा करने वाली गाड़ी में डाल दिया गया। गाड़ी वाले ने अन्य कचरे के साथ उसे डाल दिया। रेनकोट अपनी किस्मत पर आंसू बहा रही थी। वह मन ही मन सोच रही थी, 'मेरा रंग-रूप भला किस काम आया? मुझसे अच्छी तो वह छतरी है, जो अभी तक घर में लोगों के काम आ रही है।' रेनकोट को समझ आ चुका था कि रंग-रूप से ज्यादा महत्वपूर्ण हमारा गुण होता है। इसलिए कभी भी किसी का रंग-रूप देखकर उसका मजाक नहीं उड़ाना चाहिए, बल्कि उसके अच्छे गुणों की कद्र करनी चाहिए। *

कविता

डॉ. फहीम अहमद

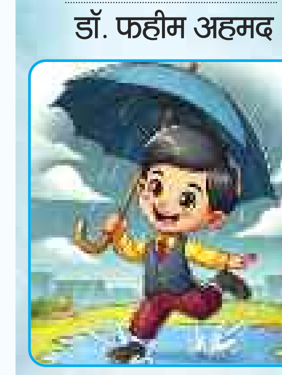

बरस घटा घनघोर

ओ घटा, बरस, घनघोर बरस,
इस ओर बरस, उस ओर बरस।
हम झूम-झूम कर नाच उठें,
अब झूम उठे मन-मोर, बरस।
लहलहा उठे बगिया मेरी,
तू जोर बरस, पुरजोर बरस।
सब ताल-तलैया भर जाएं,
मेढक करते हैं शोर, बरस।
रिमझिम का गीत सुना फिर से,
तू बन जा अब चितचोर, बरस।
कोई भी जगह न छूटे अब,
तू गांव-शहर हर छोर, बरस।
धरती की सारी प्यास बुझाए
झमझम-झमझम झकझोर, बरस।
जब तक सब खुश न हो जाएं
बूंदें न पड़ें कमजोर, बरस।
हम सब खेलेंगे छपछैया,
ओ घटा जरा तू, और बरस।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। इनमें 5 अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर खोजो।

उत्तर: 1.भालू के मुख की मुद्रा बदली हुई है। 2. हनी-पॉट के ऊपर मंडरा रही मधुमक्खी गायब है। 3.भालू के पीछे पेड़ पर अधिक पत्तियां लगी हैं। 4.झाड़ियों के पीछे एक और भालू दिख रहा है। 5.हनी-पॉट के पीछे हनी नहीं गिरा है।

चित्र पूरा करो

बच्चों, यहां कुछ अधूरे ज्योमेट्रिकल शेप्स और उनके कट-आउट्स के चित्र दिए गए हैं। इन कट-आउट्स को सही जगह लगाकर इन चित्रों को पूरा करो।

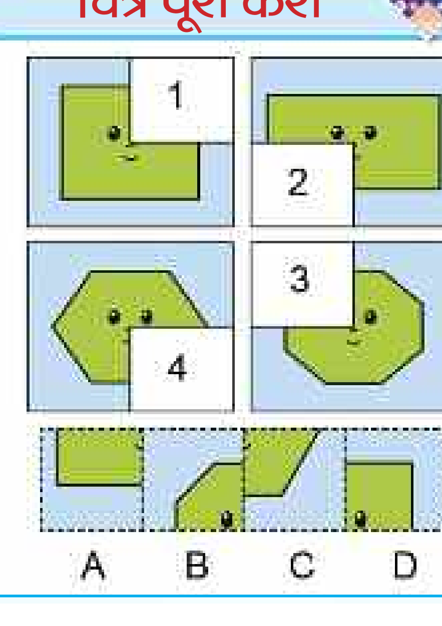

उत्तर : 1-D, 2-A, 3-B, 4-C

गिनकर बताओ

बच्चों, इस चित्र में बहुत सारे बच्चे दिखाई दे रहे हैं। तुम गिनकर बताओ कि इस चित्र में कुल कितने बच्चे दिखाई दे रहे हैं?

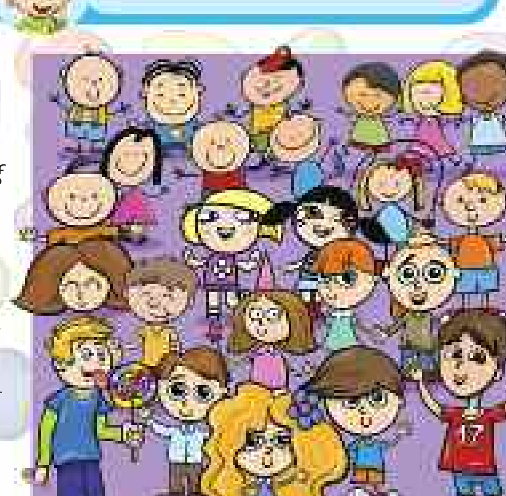

उत्तर-12

खबर संक्षेप

अस्पतालों में सर्दी, खांसी और बुखार के बढ़े मरीज

कोरबा। मौसम में बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने लगा है। शासकीय व निजी अस्पताल के ओपीडी में इलाज कराने के लिए मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रोजाना औसतन लगभग 650 से अधिक मरीजों ने ओपीडी में इलाज कराने पहुंच रहे थे। जिले के शासकीय व निजी अस्पतालों के ओपीडी में इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। मंगलवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ओपीडी में इलाज कराने के लिए भीड़ रही। काउंटर पर पर्ची लेने के लिए मरीजों की लंबी कतार लगी रही। काफी देर तक कतार में खड़े होकर पर्ची प्राप्त किया। यह स्थिति दोपहर दो बजे तक रह रही है।जबकि सामान्य दिनों में दोपहर एक बजे मरीजों की संख्या कम हो जाती है। साथ ही मरीजों की संख्या छह सौ के आसपास रहती है। चिकित्सकों ने बताया कि अधिकांश मरीज उल्टी, दस्त, सर्दी, खांसी, जुकाम सहित अन्य मौसमी बीमारी से ग्रसित मरीज इलाज कराने पहुंच रहे हैं। मरीजों को खान-पान में विशेष ध्यान देने की सलाह दी जा रही है। लंबी कतार की वजह से दोपहर दो बजे के बाद ओपीडी का समय समाप्त हो गया था। ऐसे में कई डॉक्टर चले गए थे, ऐसे में मरीजों को किसी अन्य चिकित्सकों से इलाज कराना पड़ा।

कुली दीपक पावर लिफ्टिंग में फिर बना नंबर वन

कोरबा। दीपक ने उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित उत्तर भारत फेडरेशन कप पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप-2024 में प्रदेशभर के खिलाड़ियों को धूल चटाते हुए विजेता होने का गौरव प्राप्त किया है। चैंपियनशिप का शनिवार को सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी ऑडिटोरियम प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय प्रतियोगिता में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब आदि प्रदेशों के 200 खिलाड़ी शामिल हुए हैं। जिसमें कोरबा के दीपक पटेल ने अंडर 56 किलोग्राम वेट कैटेगरी स्क्वाट में 135 किलोग्राम, बेंच प्रेस में 85 किलोग्राम, डेड लिफ्ट में 175 किलोग्राम का वजन उठाया था। कुल 395 किलोग्राम वजन उठाकर सभी प्रतिभागियों को पीछे छोड़कर सभी कैटेगरी में गोल्ड हासिल किया। इससे पहले भी दीपक अलग अलग प्रतियोगिताओं में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है।

चौकी प्रभारी ने घायल को अस्पताल में कराया दाखिल

कोरबा। जिले में पुलिस का मानवीय चेहरा फिर सामने आया हैं। एक अज्ञात लाश की विधिपूर्वक अंतिम संस्कार करने के बाद 17 जुलाई को सर्वमंगला चौकी प्रभारी विभव तिवारी अपने घर के लिए निकले थे। तभी बरमपुर रोड पर उन्होंने देखा की रास्ते में बाइक सवार दुर्घटना का शिकार हो गया था, लोग मूक दर्शक बने देख रहे थे। तब चौकी प्रभारी ने अपनी कार से उतर कर लोगों की मदद से सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अपनी कार में बिठा कर मेडिकल कॉलेज कोरबा में लाकर भर्ती कराया। चौकी प्रभारी की जितनी भी तारीफ किया जाए वह काम है क्योंकि समय-समय पर चौकी प्रभारी विभव तिवारी द्वारा लगातार ने कार्य किया जा रहा है, जिसके शहर में प्रशंसा हो रही है। चौकी प्रभारी की मदद से घायल व्यक्ति को समय पर इलाज मिला। निश्चित ही इस प्रकार के कदम आम जनता भी उठाए तो लोगों की जान बचाई जा सकती है।

रोजगार की समस्या को लेकर उद्योग मंत्री को सौंपा ज्ञापन

कोरबा। एसईसीएल गेवरा से प्रभावित ग्राम नरईबोध के ग्रामीणों ने देवप्रसाद यादव के नेतृत्व में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन से मुलाकात कर पुनर्वास (बसाहट), मुआवजा एवं रोजगार की समस्याओं से अवगत कराया।

डीएमएफ अन्तर्गत शासी परिषद की बैठक आयोजित

जिले के विकास में मील का पत्थर साबित होगी डीएमएफ की राशि : लखन लाल

डीएमएफ की बैठक में उद्योग मंत्री, सांसद व विधायक।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिला खनिज न्यास संस्थान के अंतर्गत शासी परिषद की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में लखनलाल देवांगन वाणिज्य उद्योग एवं श्रम मंत्री के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई। बैठक में सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत, विधायक प्रेमचंद पटेल, तुलेश्वर सिंह मरकाम, रामपुर फूलसिंह राठिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला कंवर सहित अन्य सदस्यों एवं पदेन अध्यक्ष कलेक्टर अजीत वसंत, पदेन सचिव जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा उपस्थित रहे।

बैठक में डीएमएफ अंतर्गत विभिन्न एजेण्डाओं पर चर्चा उपरांत मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना सहित जनहितैषी कार्यों को प्रस्ताव में प्राथमिकता दी गई है, जो कि कोरबा के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खनन प्रभावित क्षेत्रों को विकास से जोड़ने डीएमएफ जैसी व्यवस्था बनाई है। उनके इस पहल से पिछड़े एवं खनन प्रभावित क्षेत्र में विकास कार्य संभव हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय प्रदेश सहित कोरबा के विकास के लिए सजग हैं। उन्होंने अनेक विकास कार्यों के लिए बजट में भी प्रावधान किया है।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी अपने क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करते हैं। हम सभी जनप्रतिनिधि जनता से जुड़े हुए हैं और जनता की सेवा हम सभी के लिए प्राथमिकता में हैं। हम सभी चाहते हैं कि कलेक्टर सहित प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के मध्य बेहतर तालमेल हो ताकि जिले का शीघ्रता से विकास हो सके। बैठक में सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने कहा कि डीएमएफ की राशि का विकास कार्यों में सदुपयोग होना चाहिए। जो भी कार्य कराए जाएंगे उसमें गुणवत्ता का ध्यान जरूर रखा जाना चाहिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के कार्यों को प्राथमिकता से कराने की बात रखी। विधायक प्रेमचंद पटेल, फूलसिंह राठिया, तुलेश्वर मरकाम और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला छत्रपाल सिंह कंवर ने अपने-अपने क्षेत्र में विकास कार्यों का प्रस्ताव रखा। बैठक में लगभग 400 करोड़ की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। बैठक में निगम आयुक्त श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई, डीएफओ कटघोरा कुमार निशांत सहित शासी परिषद के सभी सदस्य, अधिकारी उपस्थित थे।

घर बैठे लैब टेस्ट की सुविधा

बैठक में विभिन्न कार्यों के लिए सदस्यों द्वारा सहमति दी गई है। डीएमएफ अंतर्गत पर्यटन स्थलों के विकास कार्य हेतु 20 करोड़ रूपए, विद्युत विहीन बसाहटों एवं गांव में विद्युतीकरण हेतु 20 करोड़, सभी पीवीटीजी परिवारों की आजीविका संवर्धन गतिविधि हेतु 5 करोड़, चिर्रा से श्यांग तक आवागमन हेतु सड़क निर्माण के लिए 12 करोड़, पहुंच विहीन अमलडीहा-मालीकछार में सड़क निर्माण हेतु 10 करोड़, यातायात एवं सड़क सुरक्षा अंतर्गत विभिन्न कार्यों के लिए लगभग 2.60 करोड़, नगरीय निकाय एवं अधोसंरचना अंतर्गत टी. पी. नगर में वर्ल्ड क्लास इंडोर स्टेडियम/मिनी स्टेडियम के निर्माण हेतु 25 करोड़, जल उपचार संयंत्र कोहड़िया के पास 2 मेगावाट का सोलर प्लांट प्रदाय एवं स्थापना कार्य हेतु 20 करोड़, इंदिरा स्टेडियम में मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य हेतु 1.76 करोड़, टी. पी. नगर स्थित नए बस स्टैण्ड के मरम्मत हेतु 98 लाख, इंदिरा स्टेडियम में स्वीमिंग पुल मरम्मत हेतु 66 लाख एवं बांकीमोंगरा नगर पालिका में विकास कार्य हेतु 5 करोड़ रूपए का प्रस्ताव तैयार किया गया। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवासीय व्यवस्था हेतु 20 करोड़, अत्याधुनिक सिटी स्कैन मशीन 128 स्लाइस हेतु 10.44 करोड़ तथा लोगों को घर बैठे लैब टेस्ट की सुविधा प्रदान करने 40 लाख रूपए का प्रस्ताव तैयार किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में जर्जर विद्यालयों के भवन निर्माण/जीर्णोद्धार/अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 20 करोड़, प्राथमिक विद्यालय तथा नगरीय क्षेत्र के विद्यालयों में ब्रेकफास्ट योजना हेतु 10 करोड़, शैक्षणिक गुणवत्ता हेतु विद्यालय स्तर पर रिक्त पदों के विरूद्ध अतिथि शिक्षकों का मानदेय हेतु 05 करोड़, आश्रम तथा छात्रावासों में शौचालय निर्माण हेतु 05 करोड़, सेजेस अंतर्गत विद्यालयों में अधोसंरचना हेतु 20 करोड़, कॉलेज छात्रावास के जीर्णोद्धार हेतु 2.35 करोड़, मेरिट के आधार पर 50-50 विद्यार्थियों को नीट एवं जेईई की कोचिंग हेतु 04 करोड़ तथा मेधावी छात्रों को स्कॉलरशिप योजना के लिए 50 लाख रूपए का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसके अलावा अन्य महत्वपूर्ण कार्य प्रस्ताव में शामिल किए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री नेताम ने कन्या छात्रावास का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान केबिनेट मंत्री रामविचार नेताम व बच्चे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री आदिम जाति व अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग रामविचार नेताम ने गुरुवार को विकासखण्ड पाली में अपने प्रवास के दौरान कन्या छात्रावास पाली एवं शासकीय उद्यान रोपणी पोड़ी का आकस्मिक निरीक्षण कर सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने विभागीय योजनाओं से आमजनों को प्राथमिकता से लाभांवित करने हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त आदिम जाति विकास विभाग श्रीकांत कसेर, जनपद सीईओ पाली भूपेंद्र सोनवानी, उद्यानिकी विभाग के अधिकारी सहित अन्य खण्ड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

दिव्यांग खिलाड़ियों को व्हील चेयर वितरित

वाणिज्य, उद्योग, व्यापार एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में कोरबा दिव्यांग व्हील चेयर क्रिकेट फेडरेशन के दिव्यांग खिलाड़ियों को व्हील चेयर प्रदान करके प्रोत्साहित किया इस दौरान कोरबा लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत उपस्थित थीं। जिले के 15 दिव्यांग खिलाड़ियों को उनके निरंतर खेल अभ्यास एवं खेल प्रदर्शन को देखते हुए खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा व्हील चेयर उपलब्ध कराया गया है। उल्लेखनीय है कि इन दिव्यांग खिलाड़ियों में से 3 खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट प्रतिस्पर्धा में भाग ले चुके हैं। लक्की सोनी दिव्यांग आईपीएल क्रिकेट प्रतिस्पर्धा में अपना प्रदर्शन कर चुके हैं।

वृद्ध की संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

घटना स्थल पर जांच करती पुलिस की टीम

एक 62 वर्षीय वृद्ध महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिली थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची थी जहां मामले में वैधानिक कार्रवाई कर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला बांगो थाना क्षेत्र के ग्राम बंजारी की है। यहां निवासरत फूलबाई धनवार 62 वर्ष पति सुखराम धनवार की घर में संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिली थी लाश मिलने की सूचना पर बांगो थाना प्रभारी दलबल सहित मौके पर पहुंचे और मामले की गंभीरता को देखते हुए सीन ऑफ क्राईम मोबाइल यूनिट के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर सत्यजीत सिंह कोसरिया, आरक्षक राजेश कुमार चंद्रा घटनास्थल पहुंचे और घटनास्थल एवं शव निरीक्षण किए। जहां परिजनों द्वारा आशंका जताई गई थी कि हाथी द्वारा मारा गया होगा लेकिन घटनास्थल पर किसी भी तरह के हाथी के उपस्थित होने का साक्ष्य नहीं मिला है एवं मृतका के शरीर पर ऊपरी तौर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले हैं। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो पाएगा।

माइनिंग कैडर वाले कर्मियों के प्रमोशन के लिए अनुभव की अनिवार्यता खत्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

फाइल फोटो

कोल इंडिया के अनुषंगी कंपनियों में कार्यरत माइनिंग कैडर वाले कर्मचारियों के लिए एक अच्छी खबर है। कोल इंडिया प्रबंधन ने खनन विभाग में गैर अधिकारी से अधिकारी वर्ग के प्रोमोशन में तीन साल के अनिवार्य अनुभव की बाध्यता को खत्म कर दिया है।

कोल इंडिया के निदेशक मंडल की आयोजित 467वीं बैठक में माइनिंग संवर्ग के कैडर स्कीम में संशोधन का निर्णय लिया गया है। कोल इंडिया प्रबंधन द्वारा 15 जुलाई को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। इसके अनुसार गैर अधिकारी से अधिकारी वर्ग में चयन अथवा पदोन्नति के लिए न्यूनतम तीन वर्ष के अनुभव की बाध्यता हटा दी गई है। संशोधित प्रावधान के अनुसार पदोन्नति हेतु न्यूनतम योग्यता द्वितीय श्रेणी खान प्रबंधक की योग्यता का प्रमाण पत्र ही रहेगी। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से माइनिंग संवर्ग के कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ नहीं मिल पा रहा था। कोल इंडिया प्रबंधन द्वारा जारी नये आदेश के बाद अब एसईसीएल में माइनिंग संवर्ग के अलगभग 400 से अधिक कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। पूर्व में माइनिंग संवर्ग में कार्यरत गैर अधिकारी वर्ग को प्रमोशन के लिए 3 साल के अनुभवन की अनिवार्यता थी, जिसकी वजह से कर्मचारियों को गैर अधिकारी से अधिकारी वर्ग में पदोन्नति के लिए समय लग रहा था। अब प्रबंधन द्वारा तीन वर्ष के अनुभव की अनिवार्यता हटाए जाने के बाद माइनिंग कैडर वाले कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिलने लगेगा।

सेजस चैतमा में निबंध लेखन स्पर्धा

हरिभूमि न्यूज ⏭ चैतमा

प्रतियोगिता में शामिल छात्र-छात्राएं।

स्वामी आत्मा नंद उत्कृष्ट विद्यालय चैतमा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्राचार्य संरक्षक चंद्राणी सोम ने बताया कि छत्तीसगढ़ को 2047 तक विकसित राज्य बनाने के उद्देश्य को साकार करने के लिए राज्य नीति आयोग, उच्च शिक्षा विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य नीति आयोग द्वारा अमृत काल छत्तीसगढ़ विजन 2047 दस्तावेज तैयार किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य राज्य के सभी क्षेत्रों का तीव्र विकास सुनिश्चित करना है। इस के लिए सभी युवा नागरिकों, विद्यार्थियों से सुझाव लेने के लिए राज्य के समस्त महाविद्यालय और शासकीय एवं अनुदान प्राप्त तथा निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। वीरेन्द्र कुमार बंजारे व्याख्याता कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना ने स्वंय सेवक ने विद्यार्थियों को बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों को विकसित छत्तीसगढ़, मेरे सपने का खुशहाल छत्तीसगढ़ विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने होंगे, जिसका मूल्यांकन प्रासंगिकता, वर्तमान स्थिति का आंकलन, नवाचार, व्यवहार्यता, स्पष्टता और प्रस्तुतीकरण जैसे मानदंडों के आधार पर पैनल द्वारा किया जाएगा

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

कोरबा। हिन्दू जागरण मंच के सदस्य तिलकेजा निवासी किशन साव ने सिविल लाइन में शिकायत दर्ज कराई थी नोनबिर्रा निवासी हजरत अली के द्वारा इंस्टाग्राम सोशल मीडिया में गरीब बादशाह नामक आईडी से आरएसएस व सरकार विरोधी अभद्र टिप्पणी की थी। मामले की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 295ए, 505 (1), 153 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उरगा पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया है।

राज्य स्तरीय थाई बॉक्सिंग के लिए टीम रवाना

रवाना होनी वाली टीम के खिलाड़ी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

रायपुर थाई बॉक्सिंग एसोसिशन ऑफ़ छत्तीसगढ़ के द्वारा राज्य स्तरीय थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन अंजना यूनिवर्सिटी नर्धा रायपुर में 18 से 20 जुलाई तक किया गया है। जिसमें सभी जिलों के थाई बॉक्सर्स में भाग ले रहे हैं। जिसमें जिले के ड्रेगन मार्शल आर्ट्स क्लब निहारिका से कुल 17 बॉक्सरों का चयन छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है जिसमे यह प्रतियोगिता सब जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग में आयोजित होगी। जिसमें डीएमसी के बॉक्सर्स आयुष उरांव 27 केजी (टीएल), अथर्व शर्मा 45 केजी, अंकुश केवर्ट 40 केजी, अनुज अग्रवाल 57 केजी, विशाल कुमार साहू 63 केजी, कृष्णा अग्रवाल 69 केजी, सालोम खाका 60 केजी, दीपक रोहेदास 51 केजी, दिव्यांश सारथी 47 केजी, शेन एलेक्स चौधरी 52 केजी, धैर्य साहू 55 केजी, अंसल मैक्सवेल रोड्रिग्स 60 केजी, हर्ष यादव 45 केजी, हर्षिता निषाद 60 केजी,नैना एक्का 42 केजी, तृप्ति भैन्ना 46 केजी, मुस्कान जायसवाल 60 केजी वजन वर्ग में इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे है।

केबल में लगी आग लोगों ने दिखाई सूझबूझ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

शहर के मध्य हाल ही में शॉर्ट सर्किट से एक कपड़ा दुकान में लगी आग की घटना को स्थानीय लोग भूल नहीं पाए हैं कि पिछली रात इसी दुकान के सामने निकट में विद्युत केबल में आग लग गई। इससे पहले कि यह आग भड़क कर किसी अनहोनी को अंजाम देती, स्थानीय लोगों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए इसे बढ़ने से पहले बुझा लिया।

दरअसल बुधवार की रात करीब 10:30 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में संचालित रेडक्रॉस की दवा दुकान के सामने मुख्य मार्ग स्थित ट्रांसफार्मर के केबल में एकाएक शॉर्ट- सर्किट हुआ। इसकी वजह से केबल का रबर और इसमें बांधे गए टायर में आग लग गई जो देखते ही देखते बढ़ने लगी। बीच-बीच में आतिशबाजी की तरह शॉर्ट-सर्किट भी हो रहा था। यह देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गई। इसकी सूचना कोतवाली में पदस्थ एएसआई अजय सिंह को दी गई जिन्होंने मौके पर तत्काल पेट्रोलिंग दल को भेजा और तुलसी नगर जोन के अधिकारी श्री अनंत को फोन पर जानकारी दी। इधर विद्युत अमला पहुंचता, इससे पहले स्थानीय लोगों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए बढ़ती आग पर रेत डालकर और फायर फाइटर का उपयोग कर आग को समय रहते बुझा लिया। इसके बाद पहुंचे विद्युत अमले ने आवश्यक सुधार कार्य को अंजाम दिया।

शपथ पत्र

मैं जसबीर सिंह सहारन उम्र 55 वर्ष पिता धन सिंह सहारन निवासीः सी/29, वार्ड क्र. 08 गरुड नगर गेवरा प्रोजेक्ट, दीपका तहसील-दीपका जिला-कोरबा (छ.ग.) का होकर नीचे लिखे आशय का शपथपूर्वक कथन करता हूँः-

01. यह कि, मैं उपरोक्त पते पर निवासरत हूं मेरा आधार नं. 2815 6033 8681 हैं।

02. यह कि, मेरा सही व वास्तविक नाम जसबीर सिंह सहारन पिता धन सिंह सहारन जो मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड मतदाता कार्ड में दर्ज है।

03. यह कि, मेरा पत्नि का नाम से पासपोर्ट बना है जिसमें रेखा सहारन पति जसबीर सहारन दर्ज हो गया है।

04. यह कि जसबीर सिंह सहारन पिता धन सिंह सहारनं एवं रेखा सहारन पति जसबीर सहारन एक ही व्यति का नाम है दो अलग-अलग व्यक्ति का नाम नही है अर्थात मेरे स्वयं का नाम है।

05. यह कि मेरा पत्नि का नाम से पासपोर्ट बना है जिसमें रेखा सहारन पति जसबीर सहारन दर्ज हो गया है।

जिस पर मेरा नाम जसबीर सिंह सहारन दर्ज कराना चाहता हूँ। जिसके समर्थन में मेरे द्वारा इस शपथ पत्र का निष्पादन किया गया है जिसे संबंधित कार्यालय / संस्था में प्रस्तुत करना है।

शपथकर्ता
जसबीर सिंह सहारन

न्यायालय तहसीलदार कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.)

ईश्तहार
रा.प्र.क. 202407051700013 /अ-6/2023-24
ग्राम कटघोरा प.ह.नं. 10
तहसील कटघोरा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्ण कुमार अग्रवाल पिता स्व. महावीर प्रसाद अग्रवाल निवासी कटघोरा अंबिकापुर रोड तहसील कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.) के द्वारा ग्राम कटघोरा रा.नि.मं. व तहसील कटघोरा स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 211/7 रकबा 0.008 हे. भूमि पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 30.03.2010 के अनुसार कृष्ण कुमार अग्रवाल पिता स्व. महावीर प्रसाद अग्रवाल निवासी कटघोरा के नाम पर वसीयतनामा पंजीयन कराये जाने का लेख करते हुए आवेदित भूमि स्वयं के नाम पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र, पंजीकृत वसीयतनामा विलेख की सत्यापित प्रति संलग्न कर पेश किया गया है।

इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो वह दिनांक 22/07/2024 को न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति जो कुछ भी हो पेश कर सकते है। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।

स्थान :- कटघोरा
दिनांक 09.07.2024

तहसीलदार
कटघोरा
जिला-कोरबा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.)

ईश्तहार
रा.प्र.क. 202407050700003 अ-27/2023-24
ग्राम बिसनपुर प.ह.नं. 12
तहसील कटघोरा

एतद् द्वारा द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजकुमार चंद्रा पिता मोहितराम चंद्रा जाति चंद्रनाहू निवासी कटघोरा मोहलाईनभांठा तहसील कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.) द्वारा ग्राम बिसनपुर प.ह.नं. 12 रा.नि.मं. कटघोरा स्थित भूमि स्वामी हक की सामिलात खाते की भूमि ख.नं. 1/2 रकबा 0.137 हे. भूमि का सहखातेदारों के मध्य 1/3 हिस्से में खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो वह दिनांक 25/07/2024 को न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति जो कुछ भी हो पेश कर सकते है। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर किया गया।

स्थानः-कटघोरा
दिनांकः-05/07/2024

तहसीलदार
कटघोरा
जिला-कोरबा (छ.ग.)

अग्रसेन प्रा. आई.टी.आई
ITI KORBA
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T.
New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओ के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)
• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
सेकेण्ड फ्लोर, एस.एस. प्लाजा, पावर हाउस रोड, कोरबा (छ.ग.)
89595-93920 • 89595-44444

खबर संक्षेप

जय बूढ़ादेव कालेज में किया गया पौधरोपण

कटघोरा। कटघोरा के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक पेड़ मां के नाम का संदेश देते 70 फलदार एवं छायादार पौधे लगाया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के अध्यक्ष एम.के. रात्रे एवं प्राचार्य डॉ प्यारे लाल आदिले के संरक्षण में स्वयं सेवकों द्वारा महाविद्यालय के परिसर में गड्ढा खोद कर आम, बीही, जाम पौधा लगाया गया। श्री रात्रे द्वारा स्वयं सेवकों को अपने गांव में पौधा लगाने एवं संरक्षित रखने आग्रह किया गया। प्राचार्य श्री आदिले द्वारा विद्यार्थियों को कहा गया कि हमारा काम सिर्फ पौधे लगाना नहीं है बल्कि उसे बड़ा करना भी हमारी जिम्मेदारी है कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो द्रशेखर रात्रे, प्रो रामगोपाल यादव, के दिवाकर, प्रो खुशनुमा परवीन, प्रो चंद्रकली अनंत, प्रो जी लता कंवर, ताहिरा बेगम, प्रो ओम प्रकाश, सुनील जायसवाल, दुर्गेश महिपाल, धर्मेंद्र, माधुरी के साथ स्वयं सेवक गौतम नायडू, सुजाता सिंह, राकेश यादव, रितु तंवर, सोनम आदि उपस्थित थे।

बिंझवार समाज ने मंदिर परिसर में किया पौधरोपण

ढेलवाडीह। अखिल भारतीय बिंझवार समाज के द्वारा जामचुवा झवारा विंध्याल्नी देवी मंदिर के प्रांगरण में पौधरोपण किया गया। अखिल भारतिय बिसवार समाज के पदाधिकारी शमिला दूए मुरारी कर्मवीर, हरि किशन बिंझवार, राम रतन बिंझवार, चैन सिंह बिंझवार, इतवार सिंह बिंझवार, राधिका बिंझवार, शुशीला बिंझवार, गिरजा बिझवार एवं राखी बिंझवार सहित अन्य उपस्थित थे।

एसईसीएल कुसमुंडा को सौंपा गया ग्राम खम्हरिया के जमीन का आधिपत्य

कोरबा। ग्राम खम्हरिया मे एसईसीएल कुसमुंडा को जमीन का आधिपत्य सौंपा गया। ग्राम खम्हरिया एसईसीएल कुसमुंडा का अर्जित ग्राम है, जिसका अर्जन 1980 के दशक में हो चुका है। लगभग 100 एकड़ जमीन में एसईसीएल कुसमुंडा विकास कार्य करेगी। उक्त भूमि पर कुसमुंडा क्षेत्र के ग्राम पाली और खोडरी के भू-विस्थापितो को बसाहट दिया जायेगा। भू विस्थापितो को बसाने के पूर्व ग्राम खम्हरिया स्थित भूमि पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओ का विकास किया जा रहा है। मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री नेहा वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक दर्री रवींद्र मीणा एसडीएम कटघोरा सरोज महिलांगे, तहसीलदार दर्री राजेंद्र भारत एसईसीएल क्षेत्र महाप्रबंधक राजीव सिंह एवं एसईसीएल के अधिकारी उपस्थित रहे।

विधानसभा घेराव को लेकर कांग्रेस की बैठक आज

कोरबा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा विभिन्न मुद्दों को लेकर 24 जुलाई बुधवार को दोपहर 1 बजे राजधानी रायपुर में विधानसभा घेराव कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने प्रदेश के सभी जिलों में कार्यक्रम प्रभारी बनाए गये है। जिले के लिए मनोज गुप्ता को प्रभारी नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए 19 जुलाई की दोपहर 12 बजे टीपी नगर कांग्रेस कार्यालय में बैठक रखी गई है। बैठक की अध्यक्षता नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरण दास महंत करेंगे। इस बैठक में सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, विधायक फुलसिंह राठिया, पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर, मोहित केरकेट्टा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। बैठक में महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, सेवादल, इंटक, ब्लॉक जोन, सेक्टर, बूथ कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्य, जिला पंचायत, जनपद पंचायत, नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों सहित मोर्चा संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

छग बिजली कर्मचारी संघ की बैठक संपन्न

कोरबा। छग बिजली कर्मचारी संघ उत्पादन पूर्व एवं वितरण इकाई की कार्यकारिणी बैठक संघ कार्यालय आवास ओसी/64 में आहूत की गई। जल भराव होने के कारण बैठक टाप इन टाउन के सामने आरोग्य अमृत तुल्य के पास आहुत हुई। बैठक की अध्यक्षता सत्य प्रकाश गांधी गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि जी पी राजवाड़े उपस्थित रहे। बैठक का क्रियान्वयन कर रहे कोरबा वृत्त के सचिव एवं प्रदेश मंत्री यशवन्त राठौर ने उत्पादन पूर्व इकाई के सदस्यों से वहां की समस्यायों के बारे में अवगत कराने का निवेदन किया। जिस पर सभी ने आवासीय कालोनी में अवैध कब्जाधारियों से कब्जा मुक्त कराकर कर्मचारी वर्ग को आवास आवंटित कराने, कालोनी का सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से बाउंड्री वॉल कराने कहा।

कटघोरा वनमंडल के पाली रेंज के दमिया जंगल का मामला

जंगली सुअर व चीतल का शिकार, आरोपी फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

दमिया के जंगल में बड़ी मात्रा में चीतल व जंगली सुअर जैसे वन्य प्राणियों का बसेरा है लेकिन इन वन्य प्राणियों की सुरक्षा के नाम पर महज खानापूर्ति की जा रही है। जिसके चलते इन वन्य प्राणियों की जान लगातार सांसत में है। हर साल गर्मी के सीजन में इन वन्य प्राणियों की कुत्तों के हमले से या फिर सड़क हादसे में मौत होती है तो वहीं दूसरी ओर इन वन्य प्राणियों का शिकार करने वालों की तादाद भी बढ़ती जा रही है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है। मुखबीर से मिली सूचना पर वन विभाग के अधिकारियों ने एक ग्रामीण के घर दबिश देकर जंगली सुअर व चीतल का मांस, शिकार में इस्तेमाल किए जाने वाले सामान जप्त किया है।

उल्लेखनीय है कि कटघोरा मंडल के पाली वन परिक्षेत्र अंतर्गत आने वाला दमिया जंगल वन्य प्राणियों के लिए सबसे बेहतर घरौंदा माना जाता है। इस इलाके में सबसे ज्यादा चीतल का बसेरा है। बताया जाता है इस क्षेत्र में बसने वाले कुछ ग्रामीणों द्वारा गिरोह बनाकर जंगली सुअर व चीतल का शिकार कर उसका मांस बेचने का गोरखधंधा किया जा रहा था इन ग्रामीणों द्वारा करंट का जाल बिछाकर इन वन्य प्राणियों का शिकार किया जाता है। जब इसकी सूचना वनमंडलाधिकारी कुमार निशांत को लगी तो उन्होंने इसकी धरपकड़ के लिए पाली वन परिक्षेत्र अधिकारियों को निर्देशित किया जिसके बाद पाली वन परिक्षेत्र अधिकारी संजय लकड़ा ने गुरुवार को दलबल सहित आरोपियों के ठिकाने पर दबिश दी आरोपी तो वन अमले के आने के पहले ही फरार हो गए थे इससे साफ है कि ग्रामीणों को वन विभाग के आने की खबर मिल चुकी थी। वन विभाग की टीम ने इस मामले में आरोपियों के घर से सामान एवं मांस जप्त कर फरार आरोपियों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है और फरार आरोपियों की धरपकड़ कराने वाले को इनाम देने की घोषणा की गई है। देखना है कि वन विभाग की टीम इन आरोपियों को कब तक पकड़ पाती है।

वन विभाग द्वारा जप्त किए गए चीतल के सिंग व शिकार में इस्तेमल किए जाने वाले सामान।

इनके खिलाफ नामजद दर्ज किया गया अपराध

पाली रेंज के दमिया जंगल में वन्य प्राणियों के शिकार के मामले में ग्राम दमिया निवासी महेन्द्र गंधर्व पिता संतराम गंधर्व, सुरेन्द्र गंधर्व पिता संतराम गंधर्व, महावीर गंधर्व पिता धमेन्द्र, विरेन्द्र गंधर्व पिता संतराम गंधर्व शामिल हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ वन्यप्राणी अधिनियम 1972 के तहत अपराध दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। जप्त जंगली सुअर एवं चीतल के मांस पशु चिकित्सक पाली के द्वारा पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार किया जावेगा।

घर से सुअर का मांस व हिरण का सिर हुआ जप्त

मामले में फरार आरोपियों के घर की तलाशी के लिए वन अमले की टीम सर्च वारंट लेकर दो पुलिस बल एवं राजस्व विभाग ने आर.आई. तथा स्थानीय जन प्रतिनिधि सरपंच ग्राम पंचायत दमिया, पंच एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में पंचनामा तैयार किया गया तथा सभी की उपस्थिति में सर्च प्रारंभ करते हुए घर का ताला तोड़ा गया। जहां आरोपियों के घर से 1 नग जंगली सुअर का शव 38 कि.ग्रा., 9 बंडल सेटरिंग तार, 2 नगर नायलोन जाल, 1 नग फरसा, 1 नग प्लास्टिक बोरी खून से सना हुआ, 2 नग लकड़ी का गुटका, चीतल का मांस कटा हुआ बाल्टी में 16 कि.ग्रा. एवं बोरी में 38 कि.ग्रा., नायलोन का नकली 2 रॉकेट, चीतल का सिंग 4 नग, 1 नग चीतल का सिर वजन 2.500 कि.ग्रा., 2 बंडल बिजली तार, 1 नग कुल्हाड़ी, 1 नग दोपहिया वाहन क्रमांक सीजी 10 बीएच 0370 को वन विभाग ने जप्त किया है।

शुष्क दिवस पर शराब का कारोबार दो तस्करों से 107 लीटर जप्त

पुलिस गिरफ्त में आरोपी व जप्त शराब की खेप।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बुधवार को मोहर्रम पर जिला प्रशासन ने शुष्क दिवस घोषित किया था लेकिन इसके बाद भी दो शराब तस्करों द्वारा जमकर अवैध शराब बेचने का गोरखधंधा संचालित किया जा रहा था जब पुलिस को इसकी सूचना लगी तो पुलिस ने दोनों आरोपियों के ठिकाने पर दबिश देकर 107 लीटर देशी और विदेशी शराब जप्त किया है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की है।

उल्लेखनीय है कि सीएसईबी चौकी पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली थी कि पंपहाउस निवासी अतुल कुमार गुप्ता उर्फ पिंटू एवं उसका भाई सुनील कुमार गुप्ता पंपहाउस के दो अलग-अलग जगह पर भारी मात्रा में देसी विदेशी शराब मोहर्रम शुष्क दिवस के अवसर पर बेच रहे हैं। पुलिस की टीम ने सीएसईबी पंपहाउस के दो अलग-अलग स्थानों पर मकान नंबर 1बी/51 निवासी अतुल कुमार गुप्ता उर्फ पिंटू उम्र 30 वर्ष पिता स्वर्गीय हरिशचंद्र गुप्ता के कब्जे से देसी मदिरा प्लेन शराब, बियर, अंग्रेजी शराब कुल 97.13 लीटर जप्त किया गया इसी तरह उसके भाई सुनील कुमार गुप्ता पिता स्वर्गीय हरिशचंद्र गुप्ता के कब्जे से देसी मदिरा प्लेन शराब, बियर, अंग्रेजी शराब कुल 10.815 बल्क लीटर जप्त किया गया है। पकड़े गए आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया गया है।

पुलिस विभाग में जंबो सर्जरी, तीन निरीक्षक सहित 191 कर्मचारियों का तबादला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पुलिस विभाग में बहु प्रतिक्षित स्थानांतरण सूची आखिरकार गुरुवार को जारी कर दी गई। जिसमें 3 निरीक्षक सहित 191 अधिकारी कर्मचारी शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने पुलिस महकमें में कसावट लाने के लिए एक जंबो सर्जरी की गई है। जिसमें तीन थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारियों का तबादला हुआ है जिसमें मुख्य रूप से सिविल लाइन थाना प्रभारी दुर्गेश वर्मा को अजाक थाना का प्रभारी बनाया गया है जबकि उनके स्थान पर बांकीमोगरा थाना प्रभारी प्रमोद डडसेना को सिविल लाइन की जवाबदारी दी गई है जबकि पुलिस लाइन में पदस्थ तेजराम यादव को बांकीमोंगरा थाना का प्रभारी बनाया गया है। जबकि इसी तरह उपनिरीक्षक विलायत हुसैन को रक्षित केंद्र से थाना पाली, सउनि क्रमशः भेवन दास दर्री से श्यांग, राजेश तिवारी सिविल लाइन से यातायात, रामनारायण रात्रे सिविल लाइन से यातायात, अनिल खांडे उरगा से बांकीमोंगरा, इमरान खान सिविल लाइन से बालको, माखन लाल पात्रे सिविल लाइन से बालको, रामकृष्ण आदित्य हरदीबाजार से कोतवाली, रामकुमार उइके मोरगा से कोतवाली, रामकुमार पाण्डे पुलिस लाइन से कटघोरा, तरुण कुमार यातायात से सिविल लाइन, विमलेश उरांव पाली से सिविल लाइन, नरेंद्र राजवाड़े अजाक से पुलिस लाइन, सुरेश जोगी पुलिस लाइन से सिविल लाइन, कृपाशंकर दुबे बांकीमोंगरा से हरदीबाजार, समेदास खांडेकर मोरगा से पाली, लक्ष्मी प्रसाद कुर्रे कोतवाली से पसान, बलीराम निराला उरगा से पसान, परमेश्वर गुप्ता सिविल लाइन से उरगा, संतराम सिन्हा पसान से उरगा, ईश्वर एक्का अजाक से उरगा, सिमसोन मिंज कोतवाली से दर्री, ललित जायसवाल सिविल लाइन से दर्री, संतोष ताण्डी पसान से दर्री, भानु प्रताप कुर्रे दर्री से अजाक, चंद्रशेखर वैष्णव बालको से पुलिस लाइन, अश्वरी निरंकारी दीपका से पुलिस लाइन, घनश्याम सिंह राजपूत यातायात से चौकी मोरगा पदस्थ किया गया है जबकि प्रधान आरक्षक व आरक्षकों की 160 पुलिस कर्मियों की सूची जारी की गई है।

फाइल फोटो

वार्डों के कार्यकर्ता के दम पर लड़ेंगे चुनावः साय

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

वार्डों के कार्यकर्ता हीं तय करेंगे की कौन प्रत्याशी जीत सकता है कौन नहीं हम कार्यकर्ता के दम से चुनाव लड़ेंगे, चाहे वह जनपद पंचायत या जिला पंचायत, नगर पंचायत, नगर निगम, नगर पालिका, या महापौर, हमारे लिये हमारे संगठन के कार्यकर्ता हीं सर्वोपरि है। कार्यकर्ताओं के बलबुते पर हीं संगठन आज मजबूती से कार्य कर रहा है।

उक्त बातें भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने भाजपा की विस्तारित जिला कार्य समिति बैठक को संबोधित करते हुए कहा। श्री साय ने कहा कि भाजपा संगठन द्वारा सेवा सप्ताह का कार्यक्रम चलाया जाता है। सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का कार्य हमारे कार्यकर्ता करते है। हम भविष्य में क्या करना चाहते है, गुरु पूर्णिमा के दिन इसका प्रण करना चाहिए। प्रकृति से मनुष्य लेता अधिक है, लेकिन देता कम है। आज प्रकृति से लिए ऋण को चुकाने का समय है। इसके ठीक विपरीत जीव जंतु पेड पौधे प्रकृति से जितना लेते है उससे अधिक देते है इस लिये प्रकृति पर ध्येय बनाने का काम जो है मनुष्य कर सकता है अगर मनुष्य के आधार पर आकलन करेंगे तो भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हीं प्रकृति मनुष्य जीव जंतु पेड पौधे के बारे मे सोचने व्यवहार करने का काम करते है। आगामी आने वाले नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को दृष्टिगत रखकर उन्होंने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कहा कि आज कार्यकर्ता के हीं दम से हमने छत्तीसगढ़ में अपनी सरकार बनाई है और आगे भी हमें भरोषा है की कार्यकर्ता हीं सरकार बनाएंगे।

भाजपा की विस्तारित जिला कार्य समिति को छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन संभागीय संगठन प्रभारी श्री अनुराग श्री देव एवं जिला संगठन प्रभारी श्री गोपाल साहू ने भी संबोधित किया बैठक की प्रस्तावना भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह ने रखी कार्यक्रम का संचालन महामंत्री श्री संतोष देवांगन ने एवं आभार प्रदर्शन टिकेश्वर राठिया ने किया। इस दौरान संभाग प्रभारी अनुराग सिंह देव, केबिनेट मंत्री लखनलाल देवागन, जिला प्रभारी गोपाल साहू, पूर्व विधायक ननकीराम कंवर, कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, जिलाध्यक्ष डॉ.राजीव सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक चावलानी, पवन गर्ग, नेता प्रतिपक्ष निगम हितानंद अग्रवाल, महामंत्री द्वय संतोष देवागन, टिकेश्वर राठिया, कोषाध्यक्ष गोपाल मोदी, जिले के पदाधिकारी व कार्यसमिति के सदस्य, मंडल अध्यक्ष व महामंत्री एवं सभी मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं संयोजक उपस्थित रहे।

खास बात

- भाजपा जिला कोरबा की विस्तारित कार्य समिति की आयोजित हुई बैठक

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते भाजपा नेता पवन साय व अन्य।

गुमगरा जंगल में चल रही थी बांस की कटाई, ग्रामीणों ने पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनपुर

जंगल में पेड़ो की अवैध कटाई के साथ अब तस्कर बेखौफ होकर बांस प्लांटेशन की भी कटाई कर रहे है। तस्करों द्वारा विगत दो दिनों से की जा रही बांस कटाई की सूचना पर ग्रामीणों ने बीती रात जंगल में घुसकर अवैध कटाई को रोका गया। इस दौरान मौका पाकर तस्कर फरार हो गए। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम द्वारा 43 नग बांस को जब्त किया गया है। बता दें कि वन परिक्षेत्र गुमगरा कला के बीट क्रमांक 2250 में बांस प्लांटेशन किया गया है। उक्त बांस प्लांटेशन में विगत दो दिनों से बांस की अवैध रूप से कटाई की जा रही थी। इस बात की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने बांस प्लांटेशन में दबिश दी लेकिन इस दौरान तस्कर काटे गए बांस को छोड़कर फरार हो गए। ग्रामीणों के अनुसार तस्करों द्वारा दो दिनों में 100 से अधिक बांस को बेच दिया गया। वहीं घटना स्थल से 400 मीटर की दूरी पर बीट गार्ड का विश्रामगृह है लेकिन वन विभाग को इसकी जानकारी नहीं मिल पाई। ग्रामीणों द्वारा दी गई सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम द्वारा मौके से 43 बांस को जब्त किया गया है लेकिन फिलहाल तस्कर मौके से फरार हो गए है। बांस प्लांटेशन में अवैध कटाई को लेकर ग्रामीणों में रोष का माहौल है। इस संबंध में रेंजर मेरी लीला लकड़ा ने बताया कि बांस प्लांटेशन में अवैध कटाई की सूचना पर टीम को भेजा गया। बीट प्रभारी ने मौके पर पहुंचकर बांस को जब्त किया है। इस मामले की जांच की जा रही है।

- तस्कर हुए फरार, 43 बांस जब्त

टीम ने 6 नग साल लट्ठा से भरे पिकअप को पकड़ा

रामानुजगंज। क्षेत्र में गश्त कर रहे वन विभाग की टीम ने अवैध रूप से साल लट्ठा लेकर जा रहे जा है पिकअप वाहन को उत्तर प्रदेश सीमा के समीप पकड़ा है जबकि वाहन सवार चालक व एक अन्य व्यक्ति मौके से फरार हो गए। जब्त की गई लट्ठा की कीमत 5 लाख रुपए बताई जा रही है। वन परिक्षेत्र वाड्रफनगर अंतर्गत वनमण्डलाधिकारी बलरामपुर अशोक तिवारी के निर्देशन में एवं अनिल सिंह पैकरा उप वनमंडलाधिकारी वाड्रफनगर के मार्गदर्शन में संगठित वन अपराध की रोकथाम की सघन मुहिम चलाई जा रही है।

दंतैल ने 6 घरों को ढहाकर बनाया खण्डहर, खा गया अनाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ प्रतापपुर

बीती रात अकेले घूम रहे दंतैल ने ग्राम रमकोला एवं आसपास के क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। दंतैल ने ग्राम रमकोला एवं बड़वार एवं भेलकच्छ में 6 ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ की तथा घर में रखा अनाज को चट कर गया। दंतैल ने घरों में रखे उपयोगी सामानों को भी नष्ट कर दिया है। भरी बरसात में दंतैल द्वारा घरों को ढहाने के कारण ग्रामीणों के समक्ष गुजर-बसर करने का संकट उत्पन्न हो गया है। बीती रात अभ्यारण्य क्षेत्र से पहुंचे दंतैल ने ग्राम रमकोला में जमकर तबाही मचाई। दंतैल ने गांव के रामचंद्र सिंह एवं श्रीनाथ पोया के घर में तोड़फोड़ की एवं घर में रखा अनाज खा गया। परिवार के सदस्यों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। ग्राम रमकोला में तोड़फोड़ मचाने के बाद मध्य रात्रि दंतैल ग्राम भेलकच्छ पहुंचा एवं बृज दोहरे के घर में तोड़फोड़ करने के बाद घर में रखा अनाज खा गया तथा टीवी, बर्तन एवं अन्य सामानों को नष्ट कर दिया। दंतैल ने बड़वार निवासी भूपेश यादव व रहमतुल्लाह के घर को ढहाकर खण्डहर बना दिया। भरी बरसात में दंतैल द्वारा ग्रामीणों का घर ढहाने के कारण परिवार के समक्ष बड़ा संकट उत्पन्न हो गया है। प्रभावित ग्रामीणों ने बताया कि पूरी रात बिजली गुल रहने के कारण हाथियों के आने पर विपरीत स्थिति निर्मित हो जाती है। हाथी ने 5-6 किसानों की मक्के व धान की फसल तबाह कर दी है। गोंगपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष श्री कवल साय सरूता ने हाथी प्रभावित ग्रामीणों से मिलकर क्षति का जायजा लिया एवं जल्द मुआवजा भुगतान कराने का आश्वासन दिया।

खेतों में थरहा के लिए पानी की बनी समस्या, खेतों में आ रही दरारें

अल्प वर्षा से जिले के किसानों की बढ़ी चिंता, सूख रहे खेत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

खंड वर्षा को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा शहरी क्षेत्रों में अधिक वर्षा देखने को मिल रही है। जिले में अब तक 4733.2 मिलीमीटर वर्षा खेती के लिए पर्याप्त नहीं है। फसल के अनुकूल वर्षा के अभाव में खेती में प्रगति नजर नहीं आ रही है। धूप व उमस हावी होने के कारण थरहा खेतों में पानी की कमी होने लगी है। अच्छी वर्षा की आस में आसमान निहारते किसानों को यहां वहां उड़ते बादल निराश कर रहे हैं। पर्याप्त सिंचाई सुविधा नहीं होने से जिले के किसान अब भी मानसून आश्रित खेती पर निर्भर हैं।

समय पर वर्षा नहीं होने से पिछड़ती खेती ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। आषाढ़ का महीना पूरा होने जा रहा है, आने वाले दिनों में सावन की शुरूआत हो जाएगी। लंबे समय तक मानसून के निष्क्रिय होने से दोबारा बोआई की भी नौबत आ सकती है। अनेक क्षेत्रों के खेतों में अभी भी नमीं नहीं आयी है। आसमान पर कुछ समय के लिए बादल तो छाते हैं, लेकिन चंद मिनटों में गायब भी जाते हैं। पिछले कुछ दिनों से कभी धूप तो कभी छांव का दौर चल रहा है। वर्षा नहीं होने से सभी परेशान हैं। सबसे अधिक दिक्कत किसानों को हो रही हैं। मौजूदा समय में किसानों को पानी की सख्त आवश्यकता है, लेकिन बरसात न होने से थरहा के लिए किसानों की चिंता बढ़ने लगी है। अगर अगले हफ्ते तक वर्षा नहीं हुई तो कई क्षेत्र की स्थिति चिंताजनक हो सकती है। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि अगर मौसम इसी तरह रहा तो पैदावार भी प्रभावित हो सकती है। सिंचाई संसाधनों का विस्तार नहीं होने से किसानों को खेतों जल संरक्षण के लिए क्यारी खेती की सलाह दी जा रही है। बहरहाल किसानों का पूरा ध्यान थरहा की तैयारी पर केंद्रित है। अब तक 85 प्रतिशत से अधिक किसानों ने बोआई का काम पूरा कर लिया है। कुछ किसानों के खेत में थरहा तैयार हो चुका है। झमाझम वर्षा हुई ती रोपाई व बियासी के कार्य में प्रगति की संभावना है। अब तक हुई वर्षा पर गौर करें तो सर्वाधिक 580 मिलीमीटर वर्षा दर्री तहसील में हुई। वहीं सबसे कम वर्षा अजगरबहार तहसलील में 208.3 मिमी दर्ज की गई है। जिला कृषि विभाग के उपसंचालक डीपीएस कंवर का कहना है कि खेती अभी पिछड़ी नहीं है। किसानों को खेतों में क्यारी बनाकर वर्षा जल संरक्षित करने की सत्ताह दी जा रही है।

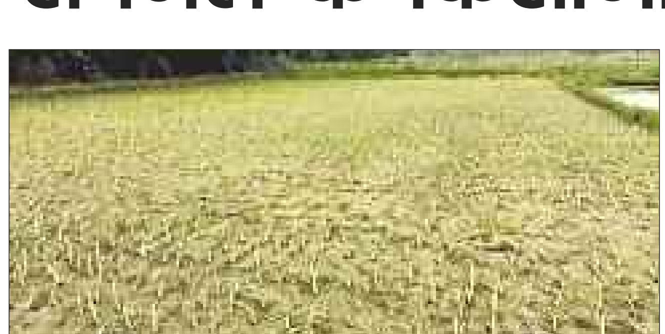

इस तरह खेत में सूख रहे धान की फसल।

छोटे जलाशयों में सिंचाई के लिए नहीं है पानी

वर्षा जल संरक्षण के लिए किसानों के पास संसाधन नहीं होने की वजह से जब तक वर्षा नहीं होगी तब तक खेती को रोकने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। बांगो और दर्री जैसे बड़े बांधों के अस्तित्व में होने के बाद भी जिले के किसान सिंचाई सुविधा से वंचित है। नहर नीचे और खेत उपर होने की वजह से सुविधा संभव नहीं। लिफ्ट एरिगेशन से जिले के कोरबा, पोड़ीउपरोड़ा व करतला विकासखंड में 23 हजार हेक्टेयर खेतों को सिंचित किया जा सकता है। योजना को बजट में शामिल करने के लिए जलसंसाधन विभाग की ओर से कई बार पत्र लिखा जा चुका है लेकिन अब तक यह पूरी नहीं हई है। सिंचाई के लिए तैयार किए गए मायनर के जलाशय ग्रीष्म में सूख गए थे, ऐसे में आश्रित खेतों को पानी मिलने की कोई उम्मीद नहीं है।